

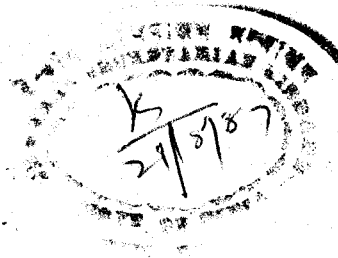


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 318]
No. 318]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 29, 1987/अषाढ 8, 1909
NEW DELHI, MONDAY, JUNE 29, 1987/ASADHA 8, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 29 जून, 1987

अधिसूचना

भारत में बाहर साक्षियों की परीक्षा के लिये कमीशन दण्ड प्रक्रिया
संहिता, 1973 की धारा 285(3) प्रेषित।

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली के माध्यम से।

का.आ. 637(ग्र) :- बेल्जियम सरकार के साथ डा. महिन्दर सिंह
द्विधा के विरुद्ध, जिसका विचारण नई दिल्ली अपर सेशन न्यायाधीश के
न्यायालय में किया जाता है, आपराधिक मामले के संबंध में बेल्जियम
में निवास करने वाले साक्षियों का साक्ष्य लेने के लिये ठहराव कर रखे
हैं। केन्द्रीय सरकार, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की
धारा 285 की उपधारा (3) के अनुसरण में यह निदेश देती है कि नई
दिल्ली स्थित अपर सेशन न्यायाधीश के न्यायालय से कमीशन एग्जासिटिंग
मजिस्ट्रेट ब्रुसेल्स के न्यायालय को, जिसकी स्थानीय अधिकारिता की
सीमाओं के भीतर साक्षी निवास करता है, इससे उपाबद्ध प्ररूप में जारी
किया जायेगा और ऐसा कमीशन संबंधित न्यायालय को पारेषित किये
जाने के लिए भारत सरकार के विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली को भेजा
जायेगा।

मुझे यह प्रतीत होता है कि के न्यायालय में मामला
सं. एस.सी. 9/86 बनाम में श्री
का साक्ष्य न्याय के उद्देश्य की पूर्ति के लिये आवश्यक है और ऐसा
साक्षी आपकी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर निवास कर
रहा है, और उसकी हाजिरी अयुक्तियुक्त विलम्ब, व्यय या असुविधा
के बिना नहीं कराई जा सकती है, मुझे यह अनुरोध करना है कि
पूर्वोक्त कारणों से और उक्त न्यायालय की सहायता के लिये आप उक्त
साक्षी को ऐसे समय और स्थान पर, जो आप निश्चित करें, हाजिर होने
के लिये समन करें तथा ऐसे साक्षी की इस कमीशन से संलग्न परि-
प्रनों के आधार पर (मौखिक रूप से) परीक्षा करवायें। इस कार्यवाही
को कोई पक्षकार आपके समक्ष अपने काउन्सल या अभिकर्ता द्वारा या
यदि वह अभिरक्षा में नहीं है तो स्वयं आपके समक्ष हाजिर हो सकेगा
और उक्त साक्षी को (यथा स्थिति) परीक्षा, प्रतिपरीक्षा या पन-परीक्षा
कर सकेगा।

..... का न्यायालय

मुझे यह और अनुरोध करना है कि आप उक्त साक्षी के उत्तरों को लिखबद्ध करवायें और ऐसी परीक्षा में पेश की गई सभी पुस्तकों, पत्रों, कागजों और दास्तावेजों की पहचान के लिये सम्यक रूप में चिह्नित करवायें और साथ ही आप ऐसी परीक्षा की अपनी प्राधिकारिक मुद्रा (यदि कोई हो) और अपने हस्ताक्षर द्वारा अधिप्रमाणित करवायें तथा उन्हें इस कमीशन के साथ भारत सरकार के विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी को सौदायें :

[तारीख को मेरे हस्ताक्षर से 'और' न्यायालय की मुद्रा के अधीन दिया गया।

अरर नेशन न्यायाधीश

[नं. एक.-1/2/87-न्यायिक]

के.सी. कंकन, सयुक्त मन्त्रि

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 29th June, 1987

NOTIFICATION

S.O. 637(E).—Whereas arrangements have been made with the Government of Belgium for taking the evidence of witnesses residing in Belgium in relation to a Criminal case against Dr. Mahinder Singh Dahiya being tried in the Court of Additional sessions Judge, New Delhi, the Central Government in pursuance of sub-section (3) of Section 285 of the Code of Criminal Procedure 1973 (2 of 1974), hereby directs that Commission from the Court of Additional sessions Judge, New Delhi for the examination of witnesses in Belgium shall be issued in the form annexed hereto, to the Court of the Examining Magistrate Brussels, within the local limits of whose jurisdiction the witness resides and that such Commission shall be sent to the Ministry of External Affairs, Government of India, New Delhi, for transmission to the Court concerned.

IN THE COURT OF

Commission to examine witnesses outside India
[Section 285(3) of the Code of Criminal Procedure, 1973]

TO

Through the Ministry of External Affairs, Government of India, New Delhi.

Whereas it appears to me that the evidence of is necessary for the ends of justice in case No. SC9/86 vs. in the Court of and that such witness is residing within the local limits of your jurisdiction and his attendance cannot be procured without un-reasonable delay, expense or inconvenience, I. have the honour to request and do hereby request that for the reasons aforesaid and for the assistance of the said Court you will be pleased to summon the said witness to attend at such time and place as you shall appoint and that you will cause such witness to be examined upon the interrogatories which accompany this commission (for viva voce).

Any party to the proceeding may appear before you by his counsel or agent or if not in custody, in person and may examine, cross examine or re-examine (as the case may be) the said witness.

And I further have the honour to request that you will be pleased to cause the answers of the said witness to be reduced into writing and all books, letters, papers, and documents produced upon such examination to be duly marked for identification and that you will be further pleased to authenticate such examination by your official seal (if any) and by your signature and to return the same together with this commission to the undersigned through the Ministry of External Affairs, Government of India, this day of.

Given under my hand and the seal of the Court this day of.

Additional Sessions Judge

[No. F. 4/2/87-Judl.]

K. C. KANKAN, Jt. Secy.